Problem of Water Accumulation

***1319. Shri Indu Raj Narwal, M.L.A.:** Will the Agriculture & Farmers Welfare Minister be pleased to state:-

a) whether it is a fact the thousand of acreage of fertile land is being damaged due to the water accumulation in the different villages like Rindhana, Banwasa, Chhapra, Kehlpa, Kathura, Ghadwal, Moi Hooda, Puthi, Katwal etc. of Baroda Assembly Constituency; and

b) if so, the time by which the said problem is likely to be solved togetherwith the present status thereof?

JAI PARKASH DALAL, AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE MINISTER, HARYANA

a) Yes Sir.

b) An eye survey of the villages has recently been done, the Department is in the process of preparation of Detailed Project Report for the affected villages and the reclamation activity will be started in due course with farmer participation. However, an area of 3808 acre (1523 ha) has already been reclaimed in villages Banwasa (95 acre), Kathura (725 acre), Gharwal (1113 acre), Moi Hooda (750 acre), Katwal (1125 acre) of Baroda Assembly Constituency in last two decades.

जल संचय की समस्या का समाधान करना

*1319 **श्री इंदुराज नरवाल, एम.एल.ए.:** क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे किः–

क) क्या यह तथ्य है कि बरौदा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न गांव जैसे रिंढाना, बनवासा, छापड़ा, केहलपा, कथूरा, घढ़वाल, मोई हूड्डा, पूठी, कटवाल इत्यादि में जल जमा होने से हजारों एकड़ उपजाउ भूमि को नुकसान हो रहा है; तथा

ख) यदि हां, तो उक्त समस्या का समाधान कब तक किए जाने की सम्भवना है तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

जय प्रकाश दलाल, कृषि तथा किसान कल्याण मन्त्री, हरियाणा ।

क) हाँ, श्रीमान् जी।

ख) विभाग द्वारा हाल ही में प्रभावित गांवों का आई–सर्वेक्षण करवाया गया है तथा प्रभावित गांवों के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया जारी है तथा किसानों की भागीदारी से समय अवधि में सुधार किया जाएगा। हालांकि पिछले दो दशकों में बरौदा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 3808 एकड़ (1523 हैक्टेयर) भूमि के गांव बनवासा में (95 एकड़), कथूरा में (725 एकड़), गढवाल में (1113 एकड़), मोई हुड्डा में (750 एकड़) तथा कटवाल में (1125 एकड़) भूमि में सुधार का कार्य किया जा चुका है।